



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



### Cadaver Organ Donor

**Lt. Bhanubhai Nagjibhai Finaviya**

**Donated his: Heart, Kidney, Liver & Corneas**

**Date:- 25/09/2022**

**DONATE LIFE™**  
an initiative for organ donation

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाट किडनी, लिवर, हृदयान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

### सूरत से 41वां हृदय बांसवाड़ा के व्यक्ति को मिला



सूरत @ पत्रिका. शहर के कतारगाम और कापोद्रा क्षेत्र निवासी एक महिला समेत दो जनों के ब्रेनडेड घोषित होने पर परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया। परिजनों के इस निर्णय से दस जनों को नया जीवन मिला है। सूरत से दान में मिला 41वां हृदय राजस्थान के बांसवाड़ा निवासी व्यक्ति को मिला। अहमदाबाद के अस्पताल में हृदय ट्रांसप्लांट किया गया है।

जानकारी के मुताबिक कतारगाम ललिता चौकड़ी भावना सोसायटी निवासी मंजु विठ्ठल काछडिया बीती 23 सितंबर की शाम मिर्गी और उल्टी होने के बाद बेहोश हो गई। परिजन उनको किरण अस्पताल में लेकर गए जहां न्यूरोसर्जन भौमिक ठाकोर ने इलाज शुरू किया। सीटी स्कैन में दिमाग में नस फटने की पुष्टि हुई। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने 24 सितंबर को ब्रेनडेड घोषित किया। दूसरी घटना में कापोद्रा सागर सोसायटी निवासी भनुभाई नागजी फिणविया को 21 सितंबर को सिर में दर्द की तकलीफ के बाद वीनस अस्पताल में भर्ती कराया गया। एमआरआई रिपोर्ट में

दिमाग की नस में रक्त की गांठ जमा होना पता चला। न्यूरोसर्जन डॉ. परेश पटेल ने केन्योटोमी कर दिमाग से रक्त की गांठ दूर की लेकिन, बाद में उन्हें 24 सितंबर को ब्रेनडेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ प्रमुख निलेश मांडलेवाला पहुंचे और परिवार को अंगदान के बारे में समझाया। अंगदान की सहमति मिलने के बाद एसओटीटीओ ने दो किडनी किरण अस्पताल, दूसरी दो किडनी और हृदय अहमदाबाद की जायडस अस्पताल और लीवर अहमदाबाद के सीम्स अस्पताल दीं। अंगदान से 10 जनों को नया जीवन मिला है। दान में मिली एक किडनी सूरत निवासी 54 वर्षीय व्यक्ति, दूसरी किडनी सूरत निवासी वर्षीय व्यक्ति का किरण अस्पताल में किया गया। दान में मिली दूसरी दो किडनी में एक किडनी सुरेन्द्रनगर निवासी 54 वर्षीय महिला, दूसरी किडनी का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद निवासी 35 वर्षीय व्यक्ति में अहमदाबाद जायडस अस्पताल में किया गया। हृदय का ट्रांसप्लांट राजस्थान बांसवाड़ा निवासी व्यक्ति में अहमदाबाद के जायडस अस्पताल में किया गया।

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

दोनों दानदाताओं के परिवारों को नमन, प्रणाम और सलाम...

## डोनेट लाइफ ने सूरत के वीनस और किरण अस्पताल से एक ही दिन में दो अंगदान प्राप्त किए



अतुल्य हिन्दुस्तान सवाददाता

सूरत। सूरत से डोनेट लाइफ के जरिए वीनस और किरण अस्पताल से दो और अंगदान किए गए, केस-1 में मंजुबेन विठ्ठलभाई काळिड़िया 57 और केस-2 में भानुभाई नागजीभाई फिनविया 46 के अंगों का दान किया गया। भावना सोसाइटी, ललिता चौक, कतारगाम, सूरत में रहने वाली मंजुबेन विठ्ठलभाई काळिड़िया 23 सितंबर की शाम 7:00 बजे ऐठन और उल्टी के कारण वह बेहोश हो गयी। परिजनों ने उन्हें न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर के इलाज के तहत किरण अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज शुरू किया। डायग्नोस्टिक सीटी स्कैन से पता चल कि मस्तिष्क की नस फटने के कारण मस्तिष्क में रक्त का थक्का जम गया है। 24 सितंबर को, न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर ने ईवीडी अतिरिक्त बॉटिलोकुलर इनेज सर्जरी की। 24 सितंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजिशियन डॉ. हीना फलदू, इंटीसिविस्ट डॉ. दर्शन त्रिवेदी और चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने मंजुबेन को ब्रेन डेड होने की जानकारी दी।

भानुभाई नागजीभाई फिनविया निवासी सागर सोसाइटी, कापोदरा, सूरत कमरेज में प्लास्टिक रीसायर्कल ग्रेन्यूल्स के व्यवसाय में लगे हुए थे। 21 सितंबर को दोपहर 3:00 बजे सिरदर्द और बेचैनी महसूस हुई, उन्हें न्यूरोफिजिशियन डॉ. वीनस अस्पताल रेफर कर दिया गया। राकेश भारोदिया ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष



### इन्हें मिली नई जिंदगी, इनमें हुआ प्रत्यारोपण

सूरत निवासी 54 वर्षीय व्यक्ति में दान की गई एक किडनी का प्रत्यारोपण, सूरत निवासी 62 वर्षीय व्यक्ति में दूसरी किडनी का प्रत्यारोपण सूरत के किरण अस्पताल में डॉ. कल्पेश गोहिल, डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. मुकेश अहीर, डॉ. मिथुन के, एन और उनकी टीम ने किया। दान की गई अन्य दो किडनी में से एक किडनी सुरेंद्रनगर निवासी 54 वर्षीय महिला में ट्रांसप्लांट की गई थी, दूसरी किडनी अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल, अहमदाबाद के 35 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट की गई थी और हाट ट्रांसप्लांट राजस्थान के बांसवाड़ा के एक 57 वर्षीय व्यक्ति में जाइडस अस्पताल, अहमदाबाद में डॉ संदीप अग्रवाल और उनकी टीम द्वारा किया गया। अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में आणंद निवासी 62 वर्षीय व्यक्ति का लीवर ट्रांसप्लांट अभियोग चौधरी, डॉ. विकास पटेल और उनकी टीम द्वारा किया गया।

श्री नीलेश भाई से फोन पर संपर्क किया और अपनी ब्रेन-डेड मां के अंगों को दान करने की इच्छा व्यक्त करते हुए उन्हें अंगदान की पूरी प्रक्रिया समझाने के लिए कहा। इसके अलावा चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने भी मंजुबेन के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी।

भानुभाई नागजीभाई फिनविया निवासी सागर सोसाइटी, कापोदरा, सूरत कमरेज में प्लास्टिक रीसायर्कल ग्रेन्यूल्स के व्यवसाय में लगे हुए थे। 21 सितंबर को दोपहर 3:00 बजे सिरदर्द और बेचैनी महसूस हुई, उन्हें न्यूरोफिजिशियन डॉ. वीनस अस्पताल रेफर कर दिया गया। राकेश भारोदिया ने डोनेट लाइफ के

और डॉ. परेश पटेल के इलाज के लिए भर्ती कराया गया और इलाज शुरू किया गया। डायग्नोस्टिक एमआरआई से सेरिब्रैलम की आपूर्ति करने वाली रक्त वाहिकाओं में रक्त के थक्के का पता चला। न्यूरोसर्जन डॉ. परेश पटेल ने मस्तिष्क में खून का थक्का निकालने के लिए क्रैनियोटोमी की। 24 सितंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. परेश पटेल, न्यूरोफिजिशियन डॉ. राकेश भारोदिया, इंटीसिविस्ट डॉ. आकाश बराड, डॉ. विवेक द्विवेदी ने भानुभाई को ब्रेन डेड घोषित किया।

भानुभाई के भर्तीजे जैनीत फिनविया ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष श्री नीलेश भाई से

टेलीफोन पर संपर्क किया और उनसे अंगदान की पूरी प्रक्रिया समझाने को कहा। डोनेट लाइफ टीम मंजुबेन के पति विठ्ठलभाई, बेटे शैलेशभाई और परिवार के अन्य सदस्यों को किरण अस्पताल पहुंची और वीनस अस्पताल भानुभाई नागजीभाई फिनविया की पली नयनबेन, बेटे भाग्य और बेटी कुंजाल और परिवार के अन्य सदस्यों ने अंगदान की पूरी प्रक्रिया और महत्व के बारे में बताया।

नीलेश भाई ने अंगदान के लिए दोनों परिवारों की सहमति मिलने के बाद स्टेट ऑर्गेन एंड ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (SOTTO) से संपर्क किया और हृदय, किडनी और लीवर डोनेशन के लिए कहा। SOTTO द्वारा सूरत के किरण अस्पताल को दो किडनी आवंटित की गई, अन्य दो किडनी और एक हृदय अहमदाबाद के Zydus अस्पताल को आवंटित किया गया। लीवर को सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद को आवंटित किया गया था। किरण अस्पताल, सूरत के डॉक्टरों द्वारा दो किडनी दान, जाइडस अस्पताल, अहमदाबाद के डॉक्टरों द्वारा दो किडनी और हृदय का दान, सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद के डॉक्टरों द्वारा यकृत दान, लोक दृष्टि चाक्षुबैंक के डॉ. प्रफुल शिरोया द्वारा 4 नेत्रदान प्राप्त किया गया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## एक ही दिन दो ब्रांडेड मरीजों से 10 लोगों को किया अंगदान, अहमदाबाद में मरीज का

**राजस्थान के एक निवासी को वीनस अस्पताल से अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण किया गया**

लोकतेज संबादवाता, सूरत। कपड़ा और हीर का सूरत शहर अब देश में अंगदाता शहर के रूप में जाना जाता है, जो एक ही दिन में सूरत से दो अंग दाताओं के अंग दान करके अंग दान के बारे में जागरूकता बढ़ाई है। दिल, आंख, किडनी और लीवर सहित दान ने 10 लोगों को सफलतापूर्वक नया जीवन दिया है। सूरत से आए 41वें धड़कते दिल को 273 किमी दूर अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल में 90 मिनट में राजस्थान निवासी को ट्रांसप्लांट किया गया गया है।

**मंजूबेन विठ्ठलभाई काळड़िया का अंगदान**

मंजूबेन विठ्ठलभाई काळड़िया (उम्र 57) मुल जामनगर के निवासी भावना सोसाइटी, ललिता चौक, कतारगाम, सूरत 23 सितंबर की रात 7 बजे वह ऐंटन और उल्टी के कारण बेहोश हो गयी। परिजनों ने उसे न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर के इलाज के तहत किरण अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज शुरू किया। निदान के लिए एक सीटी स्कैन से पता चला कि मस्तिष्क की शिरो के फटने के कारण मस्तिष्क में रक्त का थक्का जम गया है। 24 सितंबर को, न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर ने ईंवीडी अतिरिक्त वैंट्रिलोकुलर इनेज सर्जरी की।

मंजूबेन के बेटे शैलेश काळड़िया ने डोनेट लाइफ से फोन पर संपर्क कर अपनी ब्रेन-डेंड मां के अंगों को दान करने की इच्छा व्यक्त करते हुए अंग दान की पूरी प्रक्रिया को समझाने के लिए कहा। इसके अलावा



चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने मंजूबेन की ब्रेन डेंड के बारे में भी जानकारी दी।

**अंगदान का महत्व बढ़ाया**

मंजूबेन के पति विठ्ठलभाई, बेटे शैलेशभाई और परिवार के अन्य सदस्यों ने कहा कि हम अवसर अखबारों में अंगदान की खबर पढ़ते हैं। यह एक ईश्वरीय कार्य है, सभी को अपने ब्रांडेड रिश्तेदार के अंगों का दान करना चाहिए। ताकि अंग खराब होने वाले रोगियों को एक नया जीवन मिल सके। बेटे शैलेशभाई ने कहा कि भेरी मां का ब्रेन डेंड हो गया है और उनकी माँत अपरिहार्य है। जब शरीर जलकर गाढ़ हो जाए, तो अधिक से अधिक रोगियों को अंगदान करके नीं जीवन दें। मंजूबेन के परिवार में पति, बेटा और तीन बेटियां हैं, उनके पति विठ्ठलभाई कतारगाम में जैन दिगंबर मंदिर के बाहींचे की देखभाल का काम करते हैं, बेटे शैलेश के पास ललिता चौक, कतारगाम के पास केंसवी सबमर्सिवल पंप नामक एक दुकान है, तीनों बेटियों की शादी हो चुकी है। भानुभाई फिनविया का अंगदान भानुभाई नागजीभाई

फिनविया (उम्र 46) मुल सावरकुंडला, अमरेली और वर्तमान में सागर सोसाइटी, कापोद्रा सूरत निवासी कामरेज में प्लास्टिक रीमायकल ग्रेन्युल के व्यवसाय में शामिल हैं। भानुभाई फिनविया को 21 सितंबर को दोपहर 3 बजे सिरदर्द और बेचैनी महसूस हुई और उन्हें वीनस अस्पताल में न्यूरो फिजिशियन राकेश भारोदिया और डॉ. परेश पटेल की निगरानी में इलाज के लिए भर्ती कराया गया और इलाज शुरू किया गया।

डायग्नोस्टिक एमआरआई ने सेरिवैलम को रक्त की आपूर्ति करने वाली नसों में रक्त के थकों का खुलासा किया। न्यूरो सर्जन डॉ. परेश पटेल ने मस्तिष्क में खून का थक्का निकालने के लिए ऋनियोटोमी की। डोनेट लाइफ टीम मंजूबेन के पति विठ्ठलभाई, बेटे शैलेशभाई और परिवार के अन्य सदस्यों और दुसरे किस्से में भानुभाई फिनविया की पती नयनबेन, बेटा भाग्य और बेटी कुंजाल और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान की पूरी प्रक्रिया और महत्व समझाया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेंड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## एक ही दिन में किरण व वीनस हॉस्पिटल में 2 लोगों के अंगदान ब्रेनडेड मंजूबेन और भनुभाई के अंगों के दान से 10 लोगों को मिला नया जीवन

**सूत** | शहर में सोमवार को एक ही दिन में दो लोगों के अंग दान किए गए। हट्टय, आंख, किडनी और लीवर के दान से 10 लोगों को नया जीवन मिला है। सूरत के व्यक्ति का दिल 90 मिनट में 273 किलोमीटर दूर अहमदाबाद में राजस्थान के निवासी में प्रत्यारोपित किया गया।

मूल जामनगर के कालावाड़ में रहने वाली और फिलहाल कतारगाम के भावना सोसाइटी की निवासी मंजूबेन विठ्ठलभाई काछड़िया शुक्रवार को बेहोश हो गई। परिजनों ने उन्हें किरण हॉस्पिटल भर्ती कराया। शनिवार को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। मंजूबेन के पुत्र शैलेश काछड़िया ने डोनेट लाइफ के की मदद से अपनी मां का हट्टय, किडनी, लीवर और आंखें दान की। वहीं कापोद्रा के सागर सोसाइटी निवासी 46 वर्षीय भनुभाई नागजीभाई



भनुभाई फिनविया



मंजूबेन काछड़िया

फिनविया को 21 सितंबर को सिर में दर्द होने पर वीनस हॉस्पिटल में ले जाया गया। डॉक्टरों ने ऑपरेशन का दिमाग की नसों के खून के थक्के को दूर किया। लेकिन उन्हें इलाज के दौरान ही ब्रेनडेड घोषित कर दिया गया। भनुभाई की भतीजी जैनित फिनविया ने डोनेट लाइफ को संपर्क कर अंगदान करने की इच्छा जताई।

**प्रेरणा** | 2 किडनी किरण हॉस्पिटलने, 2 किडनी-हृदय-लिवर अमदावादनी हॉस्पिटलोने अपायां  
कतारगामनी महिला अने कापोद्राना युवकना अंगदानथी 10ने  
नवजुवन, पहेलीवार सरकारी पिमानमां हृदय अमदावाद पठोंच्युं

हेत्यारिपोर्ट | सुत्र

कतारगामनी ब्रेनडेड महिला अने कापोद्राना ब्रेनडेड युवानना अंगदान दान करी भने परिवारे 10 व्यक्तिने नवजुवन आप्युं छे, दानमां भयेलु हृदय प्रथम वयस्त राज्य सरकारे शहर करेली स्टेट एविएशन ईंटरस्ट्रेचर कंपनीमे सुरतथी अमदावाद पहोचायुं छतु, आ सधे सुरतमांथी 41मां हृदयनु दान करायुं छे।

आमनगरना जसपरना वतनी अने कतारगाम, लीलावा चोकी, भावना सोसायटीमां रहेता मंजूबेन विठ्ठलभाई काछड़िया (57)ने 23 सप्टेम्बरे बेच साथे उलटी थता



मंजूबेन

भेभान थई गया छता, परिवारे किरण हॉस्पिटलमां धाखल कर्या छता ज्यों CT स्कैन किरपता मोज्जनी नस फाई जाता लोहीनो गजो जामी गयो होवानु निदान थयुं छतु, 24मीओ मंजूबेनने ब्रेनडेड आहेर कर्या छता, तेमना पुत्र शैलेश काछड़ियाने गोनेट लाईफ्सों संपर्क करी माताना गोनेट लाईफ्सों संपर्क करी अंगदानी ईच्छा व्यक्त करी छता, जेने परिवारज्ञों तरक्की

अन्य भनावमां अमदेलीना गापकड़ा गामना वतनी अने कापोद्रानी सागर सोसायटीमां रहेता भनुभाई नागजीभाई किल्विया (46)ने 21मीओ भपोरे मायामां दूधावी अने बेबेनी लागता रहनस धोस्पिटलमां धाखल कराया छता, MRAमां नाना मगज्जने लोही पहोचायाती नसोमा गजो होवानु निदान थयुं छतु, न्युरो सर्जन प्रै, परेस पटेल लोहीनो गजो हुरु कर्या हतो, जो 3, 24मीओ भनुभाईने ब्रेनडेड आहेर कर्या छता, तेमना भवीजा जैनीते ब्रेनेट लाईफ्सों संपर्क करी अंगदानी ईच्छा व्यक्त करी छता, जेने परिवारज्ञों तरक्की

अंगोने आ रीते ट्रान्सप्लान्ट पण करी देवायां दानमां भेला हृदयनु ट्रान्सप्लान्ट बांसवाडा, राजस्थानना 57 वर्षीय व्यक्तिमां अमदावादनी जापउस धोस्पिटलमा करायुं, लिवरनु ट्रान्सप्लान्ट आपांदाना 62 वर्षीय व्यक्तिमां अमदावादनी सिस्ट धोस्पिटलमां करायुं छे, एक डिडीनु ट्रान्सप्लान्ट सुरतना 54 वर्षीय व्यक्तिमां, बीजु डिडीनु ट्रान्सप्लान्ट सुरतना 62 वर्षीय व्यक्तिमां किरण धोस्पिटलमां करायुं छे, बीजु भेमांधी एक किडनी ट्रान्सप्लान्ट सुरेननगरनी 54 वर्षीय व्यक्तिमां अमदावादनी जापउस धोस्पिटलमां किरणमां आयुं होवानी भाडिती मावी छे, अंगदाननी संभाल मणता सोटोरो जापउस धोस्पिटलने काणवी छती, संपर्क करी हृदय, डिडी अने विवर विवर अमदावादनी सोटोरो जाणवायु दान माटे झाल्यायुं छतु, SOTTO अे भनुभाई नागजीभाई किरण हॉस्पिटलने शानवी, 2 किडनी किरण हॉस्पिटलमां गव्यांजेना डो. प्रकृष्ण सुरतनी लोकप्रदी गव्यांजेना डो. प्रकृष्ण शिरोयामे स्वीकार्यायुं छतु,

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ડોનેટ લાઇફ દ્વારા ૪૧માં હૃદયનું દાન કરાવવામાં આવ્યું

# સુરત શહેરમાં એક જ દિવસે બે અંગદાન: ૧૦ લોકોને નવજીવન



સુરત, તા. ૨૬

સુરતથી ૪૧મું પબ્લિકનું હૃદય ૮૦ મિનિટમાં ૨૭૩ ડિલોમીટર દૂર અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલમાં રાજ્યસ્થાનના રહેવાસીમાં પ્રત્યારોપણ કરવામાં આવ્યું છે. ડોનેટ લાઈફની ટીમ વિનસ હોસ્પિટલ પહોંચી ભનુભાઈ કિલ્લવીયાની પણી નયનાબેન, પુત્ર ભાગ્ય અને પુત્રી કુંજલ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા

અને તેનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. અને પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા State Organ and Tissue Transplant Organization (SOTTO)નો સંપર્ક કરી હૃદય, કિડની અને લિવર દાન માટે જણાવ્યું. SOTTO દ્વારા બે કિડની સુરતની ડિરસ્ષ હોસ્પિટલને કાળવવામાં આવી, બીજી બે કિડની અને હૃદય અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલના ડોક્ટરોએ, લિવરનું દાન અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલના ડોક્ટરોએ, ૪ ચલુઓનું દાન લોક્ડ્રાફ્ટી ચલુંનેકના ડૉ. પ્રહુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું.

કાળવવામાં આવ્યું, લિવર અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલને કાળવવામાં આવ્યું, બે કિડનીઓનું દાન સુરતની ડિરસ્ષ હોસ્પિટલના ડોક્ટરોએ, બીજી બે કિડની અને હૃદયનું દાન અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલના ડોક્ટરોએ, લિવરનું દાન અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલના ડોક્ટરોએ, ૪ ચલુઓનું દાન લોક્ડ્રાફ્ટી ચલુંનેકના ડૉ. પ્રહુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું.

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાન..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## ડોનેટ લાઈફના પ્રયાસથી એક જ દિવસે બે વ્યક્તિના અંગદાન સુરતમાં બે વ્યક્તિના અંગદાનથી ૧૦ વ્યક્તિને નવજીવન અને રોશની મળી

(પ્રતિનિધિ દાશ)

બ્રેનડેડ આપોકાના આપેડ અને ક્રાનાયમાના પ્રોક્ષાણ પરિવારોને હદ્ધ, ડિઝની, લિવર અને ચખુઓનું દાન કરી ૧૦

સુરતસેમબાર

વ્યક્તિનોને નવજીવન આપી માનવતાની મહેક કેવાવી સમજને નવી દિશા બાંધી. હતુ.

### સુરતથી અમદાવાદની હોસ્પિટલનું ૨૭૩ કિ.મીનું અંતર ૬૦ મીનીટમાં કાપીને હદ્ધનું રાજ્યસ્થાનના રહીશમાં ધબકૃતુ કરાયું

મુજા જીમનગરમાં કાલાવડ (શીતળા), ગામથી અસ્પાન્નામાના વતની અને છાલમાં છાલમાં ક્રાનાયમાના લવીતા ચોકી પારે ભાવના સોસાયટી રહેતા પણ વર્ષીય મંજૂબને વિભાગમાં પ્રકૃતિયાને તા. ૨૩ મીને સાજે મેળે અપાવત્તા અને ડિઝની ચોકી બેનાન થઈ જત્તા ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખરેર કરાયા હતા. તેમને તા. ૨૪ મીને ક્રેનનોડ ખરેર કરાયા હતા. બીજી બાંધામાં મુખ અમદાવાદ સાથરૂંગાં તાજુકાના ગાંધીજિયાના વતની અને છાલમાં ક્રાનાયમાના સારા સોસાયટીના રહેતા પણ વર્ષીય ભનુભાઈ નાગજીબાઈ કિંશાલ્પા તા. ૨૪ મીને ખાથામાં દુઃખોનું દાન મળ્યું હતુ. એ ડિઝનીઓનું દાન સુરતની ખાનગી ખાત્રી હોસ્પિટલમાં વઠી જીવાયા બાદ મગજન્યાં



થાદ્ધ, ડિઝની, લિવર, ચખુઓનું દાન મળ્યું હતુ. એ ડિઝનીઓનું દાન સુરતની ખાનગી ખાત્રી, એ ડિઝની અને દાદ્દ, લિવરનું દાન

અંગદાનની હોસ્પિટલાં પ્રકારોએ સ્લીડિંગ હતુ. ૪ ચખુઓનું દાન વોક્ટરી ચખુઓને સ્લીડિંગ હતુ. સુરતના ૫૪ વર્ષિય અને ૬૨ વર્ષિય સીઝન એક-એક ડિઝની સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સલાન્ડ કરાઈ હતી. જ્યારે અન્ય બે ડિઝની પૌઢી એક સુરતનાની ૫૪ વર્ષિય મહિના અને અમદાવાદના ૩૫ વર્ષિય બુવાનને અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સલાન્ડ કરાઈ હતી. જ્યારે હદ્ધનું ટ્રાન્સલાન્ડ રાજ્યસ્થાન બાસવાડાના ૫૪ વર્ષિય સીઝન અને લિવર અંસંદા ૬૨ વર્ષિય ચખુઓને અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સલાન્ડ કરાયું હતુ. હદ્ધ બ્રેન બ્રેનડેડ મારકન ર૭૩કિ.મી.ડ્રો અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ૪૦ મિનિટાં પરીક્ષાયું હતુ.

## સુરતમાં એક જ દિવસમાં બે બ્રેનડેડ દ્વારા અંગદાન કરાયા

### ■ ૧૦ વ્યક્તિમાં નવું જીવન અને નવી રોશની પથરાઈ

સુરત, તા.૨૬: અંગદાનને લઈને આવેલી જ્યુતિથી એક જ દિવસમાં સુરતમાંથી બે અંગદાતાઓએ પોતાના અંગોનું દાન કર્યું છે. દાનથી ૧૦ લોકોને નવું જીવન અને રોશની આપવામાં સક્ષમતા મળી છે.

દાદું સુરત ક્રાનરગામ રહેતા મંજુબેન વિલ્ફિયાને મગજમાં લોઈનો ગણો જામી જત્તા બ્રેનડેડ ખરેર થયા હતા. તેમજ ગાધકણા ભનુભાઈ નાગજીબાઈ કિંશાલ્પાને ખાથાનો દુઃખાવો થત્તા સારવારાં તેમના નાના મગજને લાંબી પદ્ધતિઓની નસોમાં લોઈનો ગણો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતુ. તેઓ પણ બ્રેનડેડ ખરેર થયા હતા. બેનેના પરિવાર તરફથી



અંગદાનની સંમતી મળતા દાનમાં મણવવામાં આવેલ એક ડિઝની સુરતના ૫૪ વર્ષના તેમજ બીજી ડિઝની સુરતના રહેવાસી ફરી વર્ષના વર્ષના વર્ષના મહિનાને તેમજ અન્ય એક ડિઝની અમદાવાદના ઉપર વર્ષના યુવક્ષાનું ટ્રાન્સલાન્ડ કરાયું હતુ. એ ડિઝનીઓના નવું જીવન અને નવી દિશા બખ્યાવામાં સક્ષમતા મળી છે.

કરવામાં આવી. જ્યારે હદ્ધનું ટ્રાન્સલાન્ડ બાંસવાડા, રાજ્યસ્થાનના રહેવાસી ૫૭ વર્ષિય વ્યક્તિમાં, લિવરનું ટ્રાન્સલાન્ડ આંગદાન કરાયું હતા.

સુરતની ડેનેટ લાઈફ દ્વારા ૪૧માં હદ્ધનું દાન કરવામાં આવ્યું છે. સુરત ડેનેટ લાઈફના માયમથી રાષ્ટ્રીય તેમજ આંતરરાષ્ટ્રીય સરે અંગદાન કેત્રમાં મહત્વનું સ્થાન મેળવ્યું છે. સુરત અંગદાન કેત્રમાં આંતરરાષ્ટ્રીય સરે એક પોતાની અલગ મોણા ઉભી કરી છે. સુરત સહિત દિનિંશ ચુજાચાતમાંથી કુલ ૧૦૩૮ અંગો અને ટીચ્યુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું છે. એમાં ૪૩૬ ડિઝની, ૧૮૫ લિવર, ૮ પેન્ક્રીસાસ, ૪૧ હદ્ધ, ૨૬ ફિસાં, ૪ હાથ અને ૩૩૮ ચખુઓનું દાનથી કુલ ૮૫૧ વ્યક્તિઓના નવું જીવન અને નવી દિશા બખ્યાવામાં સક્ષમતા મળી છે.

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્ધાનાં..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતમાંથી ૪૧ મા હદયનું દાન કરવામાં આવ્યું

## બેઈનડેડ જાહેર થયેલા સુરતના બેનાં અંગોનું દાન : ૧૦ને નવજીવન મળ્યું

રાજ્ય સરકારની એર એમ્બ્યુલન્સમાં સુરતથી હદય અમદાવાદ મોકલાયું

**સુરત :**

સુરત શહેરમાં એક જ ટિવિસમાં બે બેઈનડેડ વ્યક્તિનાં અંગોનું દાન કરી ૧૦ જરૂરિયાતમંદીને નવજીવન આપવામાં આવ્યું હતું. વધુ એક હદય સાથે સુરતમાંથી ૪૧ માં હદયનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

મૂળ જામનગર, કાલાવડ (શીતળા)ના જસપુરની વતની અને ડાલ કતારગામ, લિલિતા ચોકડી સ્થિત ભાવના સોસાયટીમાં રહેતી મંજુબેને વિફલભાઈ કાશદિયા (ઉ.વ.૪૭) ગત તા. ૨ ઉમીએ સેવારે ઘરમાં ખેંચ આવતા ડીલી થયા બાદ બેભાન થઈ ગઈ હતી. મંજુબેનને સારવાર માટે ભાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાના મજગમાં નસ ફાટી ગઈ હોય લોહીનો ગઢો જામી ગયાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ સર્જરી કરવામાં આવી હતી. જોકે, તા. ૨૪મીએ મંજુબેનને બેઈનડેડ થોળિત કરાઈ હતી.

નીજા ડિસ્સામાં મૂળ અમરેલી, સાવરકુડલાના ગાધકડાના વતની ભનુભાઈ નાગજીભાઈ કિશેવીયા (ઉ.વ.૪૬) પરિવાર



સાથે કાપોડા સ્થિત સાગર સોસાયટીમાં રહેતા હતા અને પ્લાસ્ટિક રીસાપકીલીના દાણાના વ્યવસાય સાથે સંકાળેલા હતા. ગત તા. ૨૧મીએ હપોરે તેમને માથામાં દુઃખાવો અને બેંચેની થતા ભાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. તથીબી તપાસ દરમિયાન બનુભાઈના નાના મગજને લોહી પહોંચાડતી નસોમાં લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. તથીબી ટીમે કેન્યોટોમી કરી મગજના જામેલા લોહીનો ગઢો દૂર કર્યો હતો. જોકે, તેમની તબિયતમાં કોઈ સુધારો આવ્યો નહીંતો અને ગત તા. ૨૪મીએ તથીબી ટીમે તેમને બેઈનડેડ જાહેર કર્યો હતા.

ટેનેટ લાઇફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જાણાવ્યું હતું કે, ચાર ચચુનું દાન લોકદાનિ ચચુનોંકાં ડા. પછુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું. દાનમાં મળેલી એક ડિડનીનું સુરતના ૫૪ વર્ષીય આપેડમાં, બીજી ડિડની સુરતના ૬૨ વર્ષીય વૃદ્ધમાં, નીજી ડિડની સુરેન્નગરની ૫૪ વર્ષીય મહિલામાં, ચોથી ડિડની અમદાવાદના રહેવાસી ઉપ વર્ષીય યુવાનમાં, જ્યારે હદયનું દ્રાન્સપલાન્ટ રાજ્યાન, બાસવાડાના ૫૭ વર્ષીય આપેડમાં તેમજ લિવર આંદોંના ૬૨ વર્ષીય આપેડમાં દ્રાન્સપલાન્ટ કરાયું હતું. રાજ્ય સરકાર દ્વારા શરૂ કરાયેલી ગુજરાત સ્ટેટ એવી અશેન ઈન્કસ્ટ્રુક્યુર કંપની લિ. (ગુજરાત)ની એર એમ્બ્યુલન્સ દ્વારા ગુજરાતમાં સૌ પ્રથમ વખત હદયને એક શહેર (સુરત)થી બીજા શહેર (અમદાવાદ)માં પહોંચાડ્યું હતું. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડેનેટ લાઇફ દ્વારા કુલ ૧૦૩૮ અંગો અને કુલ ૮૫૧ લોકોને નવું જીવન અને નવી ડ્રાઇ બદલવામાં આવી છે.

" જીતે જી રક્તલાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદયલાન..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

બંને અંગદાતા પરિવારને નતમસ્તક વંદન... પ્રાણમ... સલામ...

**સુરતથી ડોનેટ લાઈફના માદ્યમથી વધુ બે અંગદાન વિનસ અને કિરણ હોસ્પિટલથી કરાવવામાં આવ્યા**

(विश्वासन, प्रयत्न) विश्वासन विश्वासन का एक अन्य अनुभव है। इसके लिए उपर्युक्त विश्वासन का एक अन्य अनुभव है। इसके लिए उपर्युक्त विश्वासन का एक अन्य अनुभव है। इसके लिए उपर्युक्त विश्वासन का एक अन्य अनुभव है।



କାଳେ ଲେଖିଥିଲା ତାମାଜେ ନିରାକାର  
ପିଲାପିଲିପିଲା ନୁହେ ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ୍ ଛୋଟା  
ପାତା ପାତାକାଳି ଅଳେ କେବେ ଏହା ପାତା  
ପାତା ପାତା ପାତା ପାତା ପାତା ପାତା ପାତା  
ପାତା ପାତା ପାତା ପାତା ପାତା ପାତା ପାତା

ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાના માધ્યમથી  
વિનસ અને કિરણ હોસ્પિટલમાંથી  
બે બ્રેઇનડેડનાં અંગોનં દાન

**46** વર્ષિય પુરુષ અને  
**57** વર્ષિય મહિલાનાં  
હૃદય, કિડની, લિવર  
અને ચક્ષુઓનું દાન  
અમદાવાદની ગ્રાયડસ  
હોસ્પિટલને કરાયું

સુરત: વિનસ અને ડિરણ  
હોસ્પિટલમાં બેઠિનકે જાહેર કરાયેલા  
એક મહિલા અને પુરુષના અગોન્ય  
દાન ડેનેટ લાઈફ સંસ્થાના માધ્યમથી  
અમદાવાદની જાયડેસ હોસ્પિટલને  
આપવામાં આવ્યું હતું.

કતારગામ લખિતું ચોકી પાસે  
ભાવના સોસાપટીમાં રહેતાં મેજુ વિશ્વલ  
કાછિયાને ગત રૂપ સાફેઅબે રાને  
ખેંચ આપતાં બેઘાન થઈ ગયા હતા.  
પરિવાર તેમને કિરણ હોસ્પિટલમાં  
લઈ ગયા હતા. જ્યાં તેમને ૨૪મીના  
રોજ બ્રેઝનિડ જાહેર કર્યું હતા.  
કાપોદ્રાની સાગર સોસાપટીમાં રહેતા  
અને ખાસ્ટિક રિસાઈલિનના વેપારી  
ભનુ નાગજી કિશ્ચવીયા (ઉ.વ.૪૪)ને  
ગત તા.૨૧ સાફેઅબે બપોરે માયામાં  
દુઃખાવો અને બેયેનું લાગતાં વિનસ  
હોસ્પિટલમાં લઈ જાવાયા હતા. જ્યાં  
તેમને બ્રેઝનિડ જાહેર કરાયા હતા.

બને વ્યક્તિનાં અંગો પેડી બે  
કિડનીઓનું દાન સુરતની કિરણ  
હોસ્પિટલના હોકટરોએ, બીજી બે કિડની  
અને હદ્ધનું દાન અમદાવાદની જાયડસ  
હોસ્પિટલના હોકટરોએ, લિવરનું દાન  
અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલના  
હોકટરોએ, ૪ ચંદુનું દાન લોકાદિસ્પેન્શન  
ચંદુનેકા હો.પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્ય  
હતુ. દાનમાં મેળવામાં આવેલી એક  
કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી  
૫૪ વર્ષથી વ્યક્તિમાં, બીજી કિડનીનું  
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની હર વર્ષથી  
વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલના  
હોકટરો દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.  
બીજી બે કિડનીમાંથી એક કિડનીનું  
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરેન્નગરની રહેવાસી  
૫૪ વર્ષથી મહિલામાં, બીજી કિડનીનું  
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના રહેવાસી  
૩૫ વર્ષથી વ્યક્તિમાં અમદાવાદની  
જાયડસ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું  
છે, હદ્ધનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બાંસવાડા,  
રાજ્યસ્થાનના રહેવાસી પણ વર્ષથી  
વ્યક્તિમાં અમદાવાદની જાયડસ  
હોસ્પિટલના હોકટરો દ્વારા કરાયું  
હતુ. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ આશાંદના  
રહેવાસી હર વર્ષથી વ્યક્તિમાં  
અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલના  
હોકટરો દ્વારા કરાયું હતુ.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## ● DONATE LIFE ●

### CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

**DATE: JANUARY, 2006 TO 25TH SEPTEMBER, 2022**



**436  
KIDNEY**



**185  
LIVER**



**41  
HEART**



**26  
LUNGS**



**08  
PANCREAS**



**338  
CORNEA**



**04  
HANDS**

**TOTAL 1038 ORGANS & TISSUES DONATED,  
which has given New Life & Vision to 951 PERSONS  
ACROSS COUNTRY & Globe.**

" जीते जी रहदान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, लिवर, हृदयदान..."